हरियाणा केंविवि में दाखिले के लिए आवेदन तिथि बढ़ी

हरिभूमि न्यूज .महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में शैक्षणिक सत्र 2017-18 के लिए दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 अप्रैल से बढ़ाकर 19 अप्रैल कर दी गई है। विश्वविद्यालय में सीयूसीईटी 2017 के नोडल ऑफिसर डा. अजयपाल शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक, स्नातकोतर, एमफिल, पीएचडी, पाठ्यक्रम की 1445 सीटों पर दाखिले केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा सीयूसीईटी 2017 के आधार पर किए जा रहे हैं।

- ऑनलाइन आवेदन-19 अप्रैल
- प्रवेश पत्र डाउनलोड -05 मई से
- प्रवेश परीक्षा-17-18 मई
- प्रवेश परीक्षा के परिणाम-7 जून

सीयूसीईटी 2017 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बीती 20 मार्च से जारी है। आवेदन प्रक्रिया के बाद 17 व 18 मई को देश भर के 76 परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। हरियाणा राज्य में हिसार व महेंद्रगढ़ में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे जबकि एक केंद्र चंडीगढ़ में भी उपलब्ध रहेगा।

हकेंविवि में ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2017-18 के लिए प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 14 से बढ़ाकर 19 अप्रैल कर दी गई है। विश्वविद्यालय में उपलब्ध स्नातक, स्नातकोत्तर, एम.फिल., पीएच.डी. पाठ्यक्रम की 1445 सीटों पर दाखिले सीयूसीईटी 2017 के आधार पर किए जा रहे हैं। सीयूसीईटी-2017 के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया बीती 20 मार्च से जारी है। आवेदन प्रक्रिया के बाद 17-18 मई को देश भर के 76 परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। हरियाणा राज्य में हिसार व महेंद्रगढ़ में परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे।

सीयूसीईटी-2017 के नोडल ऑफिसर डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया कि सीयूसीईटी के अंतर्गत देश के दस केंद्रीय विश्वविद्यालयों के जारी आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 14 अप्रैल निर्धारित थी जिसे अब 5 दिन बढ़ाकर 19 अप्रैल कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हकेंविवि उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित सीटों के मुकाबले दो से तीन गुणा अधिक आवेदन आ चुके हैं। यहां बता दे कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय स्नातक कोर्स के लिए 490, स्नातकोत्तर के लिए 890, एम.फिल. के लिए 18 एवं पीएच.डी. के लिए 47 सीटें हैं। डॉ. अजयपाल ने बताया कि सीयूसीईटी-2017 के माध्यम से विभिन्न 10 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिला होगा और इसके लिए विवि की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आवदेक हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की वेबसाइट से भी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 5 मई से प्रवेश पत्र डाउनलोड किए जा सकेंगे जबकि 17 और 18 मई को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 7 जून को प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया जाएगा।

छात्रों के लिए लगाई डा. अंबेडकर पुस्तक प्रदर्शनी, निबंध प्रतियोगिता आयोजित

बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलें

सामाजिक समानता के लिए डा. अंबेडकर के प्रयासों का ही नतीजा है। भारत में पिछड़े, शोषित वर्ग को समानता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

डा. भीमराव अंबेडकर की भूमिका भारत के निर्माण में बेहद अहम रही है। जीवन में सामाजिक स्तर पर व्याप्त चुनौतियों से जूझते हुए बाबा साहब ने भारत के निर्माण में जो योगदान दिया है वो अद्वितीय है फिर चाहे बात संविधान निर्माण की हो या फिर शिक्षा, राजनीति व सामाजिक क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए प्रयासों की। सामाजिक समानता के लिए डा. अंबेडकर के प्रयासों का ही नतीजा है। भारत में पिछड़े, शोषित वर्ग को समानता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। डा. अंबेडकर की प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है। उनसे हमें प्रेरणा लेने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के विवि में आयोजित अंबेडकर जयंती के कार्यक्रम में सुनाएं गए। फैकल्टी ऑफ आॅर्ट्स, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस की ओर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आरसी कुहाड़ के भेजे गए ये विचार विद्यार्थियों व शिक्षकों के समक्ष शिक्षा विभाग की प्रो. नीरजा धनखड़ ने प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों व शिक्षकों की बीच समूह चर्चा व निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। भारत निर्माण में डा. भीम राव अंबेडकर की प्रासंगिकता विषय पर प्रो. मूलचंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आरक्षण की आवश्यता और उसकी पुनः विवेचना पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शिक्षकों के बीच हुई चर्चा में भी अंबेडकर के विषय में आचार्य राकेश मीणा ने कहा कि समाज में समानता के मोर्चे पर डा. अम्बेडकर की ओर से किए गए प्रयास बेहद उपयोगी है। इसी तरह इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के सहायक आचार्य ईश्वर परिदा ने कहा कि इसमें कोई संशय नहीं है। बाबा साहब की भूमिका देश के निर्माण में और वंचित वर्ग के उत्थान में अहम। फैकल्टी ऑफ आॅर्ट्स, ह्यूमेनिटीज एंड सोशल साइंसेस के डीन प्रो. सतीश ने कहा कि अंबेडकर की भूमिका राष्ट्र निर्माण में बेहद अहम रही है।

महेंद्रगढ़। हकेंविवि जाट-पाली में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में समुह चर्चा में भाग लेते तथा नारनौल में डा. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते स्कूल स्टाफ सदस्य। फोटो: हरिभूमि

झुग्गी-पाठशाला में बांटी पाठ्य सामग्री

नारनौल। श्री बालाजी जनहित संगठन (प्रयास) की ओर से कोर्ट परिसर में चलाई जा रही झुग्गी-पाठशाला में गुरुवार डा. बाबा भीमराव अम्बेडकर की याद में बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर मनोज मेघनवास ने कहा कि देश में अभाव ग्रस्त एवं वंचित समाज को आगे बढ़ाने के लिए एक सुनहरी सूत्र बाबा साहब ने दिया था। यह एक मात्र सूत्र था ज्ञान अथवा शिक्षा। इस सूत्र का अर्थ है कि न्याय मुक्त संघर्ष एवं सफलता के लिए पहली शर्त शिक्षित होने की है। साधन सम्पन्न लोगों के पास शिक्षा प्राप्ति के अनेक साधन है। लेकिन वंचित समाज के बच्चों के साधनों के अभाव में ये रास्ते बंद हो जाते है और पूरी जिंदगी दुख एवं वेदना को ढोते हुए बिताते है। लेकिन ज्ञान पाना सबका अधिकार है और शिक्षा का माध्यम बनाकर मानव बड़ी-बड़ी मंजिल प्राप्त कर सकता है। इसे ही चरितार्थ करते हुए (प्रयास) श्री बालाजी संगठन महेंद्रगढ़ झुग्गी-झोपड़ियों में गरीब बच्चों के लिए पाठशालाएं चलाकर उनको शिक्षा से संबंधित आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करा ज्ञानदान का प्रयास कर रहा है। इस मौके पर सुनील, हंसराज, राजेश, बिजेश, रविंद्र, संदीप भांडोर, प्रमोद, कमल व जगवीर सिंह मौजूद थे।

बच्चों ने जयंती मनाई

नारनौल। केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा मे गुरुवार डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई। प्रातः कालीन प्रार्थना सभा के बाद आयोजित कार्यक्रम में भारतीय संविधान निर्माता को याद किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य निर्मला बुडानिया ने डा. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए भारतीय संविधान निर्माण में डा. अम्बेडकर के योगदान की जानकारी दी। सीसीए प्रभारी हरिवंश मिश्र ने डा. अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विद्यालय की छात्रा मनीषा शर्मा व कोमल ने डा. अम्बेडकर के जीवन चरित पर विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ शिक्षक कैलाश चन्द ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नारनौल। डा. अम्बेडकर की चित्र पर पुष्प अर्पित करते भाजपा नेता। फोटो: हरिभूमि

अंबेडकर के जीवन पर विचार रखे

नारनौल। भाजपा की ओर से गुरुवार स्प्रिंग फील्ड स्कूल परिसर में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई। इसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल भारद्वाज एडवोकेट ने की। इस अवसर पर मंडल महामंत्री माडूराम सैनी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने इस कार्यक्रम को देशभर में बूथ स्तर तक मनाने का निर्णय किया है। उन्होंने बाबा साहब के जीवन पर विस्तार डाला। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरला यादव, मंडल उपाध्यक्ष भीम पांडे, मंडल उपाध्यक्ष व पार्षद शशिबाला व पार्षद गीता देवी ने भी बाबा भीम राव अंबेडकर के जीवन परिचय पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने बताया कि डा. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के रत्नागिरी जिला के मऊ गांव में हुआ। इन्द्रा, बिमला, लक्ष्मी, सुनीता, पूजा, निशा, हरिओम, कुलदीप, नेत्रपाल सहित स्कूल विद्यार्थी मौजूद थे।

मंडी अटेली। भारत रत्न बाबा साहिब को श्रद्धाजंलि अर्पित करते हुए गणमान्य।

बुद्धिमान व कर्मयोगी पुरुष थे : ठाकुर

मंडी अटेली। अनुसूचित एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के तत्वावधान में झंडा चौक अटेली मंडी में डा. भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयंती पर सद्भावना एवं प्रेरणा दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता डा. शिवताज सिंह ने की जबकि प्रमुख समाजसेवी डा. अतरलाल एडवोकेट ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच संचालन शान ए भारत अवार्डी डा. छत्तर सिंह वर्मा ने किया। समारोह में डा. अम्बेडकर की शिक्षाओं पर विचार गोष्ठी व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी तथा प्रतिभावान छात्रों को भी सम्मानित किया गया। उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए ठाकुर अतरलाल ने कहा कि संत व महापुरूष किसी भी धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर होते हैं। उनका ज्ञान, दर्शन ही समाज व देश को प्रगति के पथ पर ले जाता है इसलिए हमें उनके नक्श-ए-कदमों पर चलते हुए उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए।